

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—लाण्ड 3—उपलाण्ड (i) PART II-—Section 3—Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 70]

नई विल्ली, अथवार, मार्च 2, 1977 फाल्गन 11, 1898

No. 701

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 2, 1977/PHALGUNA 11, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकक्षन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

ORDER

New Delhi, the 2nd March, 1977

G.S.R. 103(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Vegetable Oil Product Producers (Regulation of Refined Oil Manufacture) Order, 1973, namely—

- 1. (1) This Order may be called the Vegetable Oil Product Producers (Regulation of Refined Oil Manufacture) Amendment Order, 1977.
 - (2) It shall come into force at once
- 2. In the Vegetable Oil Product Producers (Regulation of Refined Oil Manufacture) Order, 1973, in clause 3--
 - (i) before the existing proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—
 - "Provided that nothing in this clause shall apply to the manufacture of refined imported sunflower oil, imported soyabean oil, imported rapeseed oil, imported plam oil, imported palm olein or cottonseed oil by any producer.";
 - (ii) in the existing proviso, for the words "Provided that", the words "Provided further that" shall be substituted.

[No. 25-VP(1)/77]

B N JAYASIMHA, Jt. Secy.

मागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

ग्रादेश

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1977

सा० सा० ति०103(म) — केन्द्रीय सरकार आवष्यक वानु अधिक्यम, 1955 (1955 मा 10) की घाण 3 की उपधारा (1) द्वारा पदत्त अवित्यो का प्रमेग वर्क हुए वनस्पति-तेल-उत्पाद उत्पादक (परिष्कृत तेल निर्माण का विविधमन) अपदेश 1973 में और मणोधन वर्ष के जिए निम्नलिखित आदेण, करनी है, अर्थात् —

- 1 (1) इस श्रावेश का नाम वनस्पति-तेल-उत्पाद उत्पादक (परिष्कृत तेल निर्माण का विनियमन) संशोधन श्रादेश, 1977 हैं।
 - (2) यह तुरन्त प्रशृत होगा।
- 2. वनस्पति-तेल-उर्गाद उत्पादक (पिरिष्कृत तेल निर्माण श्रीर विनियमन) श्रादेश, 1973 के खण्ड 3 में ---
 - (i) विद्यमान परन्तुक के पहले निम्नालिखत परन्तुक भ्रतस्थापित विद्या जाएगा, भ्रमीतृ .—
 - 'परन्तु इस खण्ड की कोई वात किसी उत्पादक द्वारा परिष्कृत आयातित सूरअमुखी तेल, आयातित सोयावीन तेल आयातित सफेद सरसी (रेप मीड) का तेल आयातित नारियल तेल, आयातित नारियल प्रोणीन या बिनीले का तेल के विनिर्माण पर लागू नहीं होगी '',
 - (ii) विद्यमान परन्तुक में, ''परन्तु'' शब्द के स्थान पर ''पञ्न्तु यह श्रीर'' शब्द रखे जाएगे।

[स॰ 25 - बी पी (1) / 77]

बी० एन० जयसीमा, सयुक्त सिचव ।